श्रम विभाजन और जाति प्रथा (डॉ. भीमराव अंबेडकर)

50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQ) उत्तर सहित

1. डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुसार जाति प्रथा किसका विभाजन है?
(a) श्रम का
(b) श्रमिकों का ✔
(c) उत्पादन का
(d) संपत्ति का
2. श्रम विभाजन और जाति प्रथा में मुख्य अंतर क्या है?
(a) दोनों समान हैं
(b) एक जन्म आधारित, दूसरा योग्यता आधारित ✔
(c) दोनों जन्म आधारित
(d) दोनों योग्यता आधारित
3. जाति प्रथा समाज में किसे बाधित करती है?
(a) उत्पादन
(b) सामाजिक एकता ✔
(c) श्रम
(d) व्यापार
4. अंबेडकर के अनुसार जाति प्रथा का परिणाम क्या है?
(a) एकता
(b) असमानता ✔
(c) विकास
(d) सहयोग
5. श्रम विभाजन का सही रूप क्या है?
(a) जन्म आधारित
(b) योग्यता आधारित ✔
(c) जाति आधारित
(d) धर्म आधारित
6. जाति प्रथा में व्यक्ति की पहचान किससे होती है?
(a) शिक्षा
(b) जन्म ✔
(c) अनुभव
(d) कार्य
7. श्रम विभाजन से कौन-सा गुण विकसित होता है?
(a) असमानता
(b) विशेषज्ञता ✔
(c) भेदभाव
(d) विभाजन
8. जाति प्रथा किस प्रकार की व्यवस्था है?
(a) गतिशील
(b) स्थिर ✔
(c) खुली
(d) लचीली
9. अंबेडकर जाति प्रथा को किस रूप में देखते हैं?
(a) उपयोगी
(b) हानिकारक ✔
(c) आवश्यक
(d) आधुनिक
10. श्रम विभाजन का संबंध किससे है?
(a) दक्षता ✔
(b) भेदभाव
(c) असमानता
(d) विभाजन
11. जाति प्रथा किसे रोकती है?
(a) प्रतिभा विकास ✔
(b) उत्पादन
(c) व्यापार
(d) शिक्षा
12. श्रम विभाजन में व्यक्ति क्या करता है?
(a) हर काम
(b) विशेष कार्य ✔
(c) कोई काम नहीं
(d) केवल शिक्षा
13. जाति प्रथा में परिवर्तन कैसा होता है?
(a) तेज
(b) धीमा ✔
(c) तुरंत
(d) निरंतर
14. श्रम विभाजन का नकारात्मक पक्ष क्या है?
(a) विशेषज्ञता
(b) एकरूपता ✔
(c) उत्पादन
(d) दक्षता
15. जाति प्रथा का आधार क्या है?
(a) योग्यता
(b) जन्म ✔
(c) धन
(d) शिक्षा
16. श्रम विभाजन से क्या घटता है?
(a) समय ✔
(b) उत्पादन
(c) दक्षता
(d) विशेषज्ञता
17. जाति प्रथा समाज में क्या उत्पन्न करती है?
(a) समानता
(b) भेदभाव ✔
(c) सहयोग
(d) विकास

18. श्रम विभाजन का परिणाम क्या है?
(a) बेरोजगारी
(b) विशेषज्ञता ✔
(c) विभाजन
(d) असमानता

19. जाति प्रथा में अवसर किस प्रकार होते हैं?
(a) समान
(b) असमान ✔
(c) खुले
(d) आधुनिक

20. अंबेडकर के अनुसार जाति प्रथा क्या है?
(a) सामाजिक एकता
(b) सामाजिक बंधन ✔
(c) आर्थिक विकास
(d) समानता

21. श्रम विभाजन किसे बढ़ावा देता है?
(a) भेदभाव
(b) दक्षता ✔
(c) असमानता
(d) विभाजन

22. जाति प्रथा में व्यक्ति क्या नहीं बदल सकता?
(a) पेशा ✔
(b) घर
(c) शिक्षा
(d) स्थान

23. श्रम विभाजन किससे जुड़ा है?
(a) उत्पादन ✔
(b) जाति
(c) धर्म
(d) परंपरा

24. जाति प्रथा किसे कम करती है?
(a) भेदभाव
(b) एकता ✔
(c) असमानता
(d) विभाजन

25. श्रम विभाजन से क्या बढ़ता है?
(a) विशेषज्ञता ✔
(b) अशांति
(c) विवाद
(d) असमानता

26. जाति प्रथा का परिणाम क्या है?
(a) समानता
(b) असमानता ✔
(c) विकास
(d) सहयोग

27. श्रम विभाजन का मुख्य लाभ क्या है?
(a) दक्षता ✔
(b) विभाजन
(c) भेदभाव
(d) असमानता

28. जाति प्रथा में क्या सीमित होता है?
(a) स्वतंत्रता ✔
(b) शिक्षा
(c) व्यापार
(d) धन

29. श्रम विभाजन का परिणाम क्या है?
(a) उत्पादन वृद्धि ✔
(b) असमानता
(c) भेदभाव
(d) विभाजन

30. जाति प्रथा किसे रोकती है?
(a) प्रतिभा ✔
(b) व्यापार
(c) उत्पादन
(d) शिक्षा

31. श्रम विभाजन से क्या बढ़ता है?
(a) उत्पादन ✔
(b) बेरोजगारी
(c) असमानता
(d) विभाजन

32. जाति प्रथा किस प्रकार की व्यवस्था है?
(a) खुली
(b) बंद ✔
(c) आधुनिक
(d) गतिशील

33. श्रम विभाजन का आधार क्या है?
(a) योग्यता ✔
(b) जन्म
(c) धर्म
(d) जाति

34. जाति प्रथा में क्या निर्धारित होता है?
(a) पेशा ✔
(b) शिक्षा
(c) धन
(d) स्थान

35. श्रम विभाजन से क्या बढ़ता है?
(a) दक्षता ✔
(b) असमानता
(c) विभाजन
(d) भेदभाव

36. जाति प्रथा समाज में क्या बढ़ाती है?
(a) समानता
(b) भेदभाव ✔
(c) एकता
(d) सहयोग

37. श्रम विभाजन का उद्देश्य क्या है?
    (a) उत्पादन ✔□
    (b) विभाजन
    (c) असमानता
    (d) भेदभाव
38. जाति प्रथा किसे कम करती है?
    (a) एकता ✔□
    (b) भेदभाव
    (c) असमानता
    (d) विभाजन
39. श्रम विभाजन का परिणाम क्या है?
    (a) विशेषज्ञता ✔□
    (b) विभाजन
    (c) असमानता
    (d) भेदभाव
40. जाति प्रथा किसे रोकती है?
    (a) विकास ✔□
    (b) शिक्षा
    (c) व्यापार
    (d) उत्पादन
41. श्रम विभाजन से क्या बढ़ता है?
    (a) कार्यकुशलता ✔□
    (b) असमानता
    (c) विभाजन
    (d) भेदभाव
42. जाति प्रथा का प्रभाव क्या है?
    (a) समानता
    (b) असमानता ✔□
    (c) विकास
    (d) सहयोग
43. श्रम विभाजन का आधार क्या है?
    (a) योग्यता ✔□
    (b) जन्म
    (c) जाति
    (d) धर्म
44. जाति प्रथा किसे सीमित करती है?
    (a) स्वतंत्रता ✔□
    (b) शिक्षा
    (c) व्यापार
    (d) उत्पादन
45. श्रम विभाजन से क्या बढ़ता है?
    (a) उत्पादन ✔□
    (b) असमानता
    (c) विभाजन
    (d) भेदभाव
46. जाति प्रथा का परिणाम क्या है?
    (a) असमानता ✔□
    (b) समानता
    (c) विकास
    (d) सहयोग
47. श्रम विभाजन का मुख्य उद्देश्य क्या है?
    (a) दक्षता ✔□
    (b) विभाजन
    (c) भेदभाव
    (d) असमानता
48. जाति प्रथा किस पर आधारित है?
    (a) जन्म ✔□
    (b) योग्यता
    (c) शिक्षा
    (d) धन
49. श्रम विभाजन किस पर आधारित है?
    (a) योग्यता ✔□
    (b) जन्म
    (c) धर्म
    (d) जाति

10 लघु उत्तरीय प्रश्न

1. श्रम विभाजन क्या है?
   उत्तर: श्रम विभाजन वह प्रक्रिया है जिसमें कार्य को अलग-अलग भागों में बाँटकर विभिन्न व्यक्तियों को दिया जाता है। इससे कार्य तेजी से पूरा होता है, दक्षता बढ़ती है और उत्पादन अधिक प्रभावी बनता है।
2. जाति प्रथा क्या है?
   उत्तर: जाति प्रथा एक सामाजिक व्यवस्था है जो जन्म के आधार पर व्यक्ति की सामाजिक स्थिति और पेशा निर्धारित करती है। इसमें व्यक्ति के लिए पेशा बदलना कठिन होता है और असमानता उत्पन्न होती है।
3. श्रम विभाजन का महत्व क्या है?
   उत्तर: श्रम विभाजन कार्य को सरल बनाता है, समय की बचत करता है और उत्पादन को बढ़ाता है। इससे विशेषज्ञता विकसित होती है और व्यक्ति अपने काम में अधिक कुशल बनता है।
4. जाति प्रथा के दोष क्या हैं?
   उत्तर: जाति प्रथा समाज में असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देती है। यह व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करती है और प्रतिभा के विकास को रोकती है जिससे सामाजिक प्रगति बाधित होती है।
5. आधुनिक समाज में जाति प्रथा क्यों अस्वीकार्य है?
   उत्तर: आधुनिक समाज समानता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर आधारित है। जाति प्रथा इन सिद्धांतों के विरुद्ध है क्योंकि यह जन्म के आधार पर भेदभाव करती है और अवसरों को सीमित करती है।

6. श्रम विभाजन और जाति प्रथा में अंतर क्या है?
उत्तर: श्रम विभाजन योग्यता और क्षमता पर आधारित होता है जबकि जाति प्रथा जन्म पर आधारित होती है। श्रम विभाजन विकास में सहायक है, जबकि जाति प्रथा सामाजिक असमानता को बढ़ाती है।
7. जाति प्रथा समाज को कैसे प्रभावित करती है?
उत्तर: जाति प्रथा समाज को विभिन्न वर्गों में विभाजित करती है जिससे एकता कमजोर होती है। यह सामाजिक भेदभाव को बढ़ावा देती है और विकास की गति को धीमा कर देती है।
8. श्रम विभाजन से उत्पादन कैसे बढ़ता है?
उत्तर: श्रम विभाजन में व्यक्ति विशेष कार्य करता है जिससे उसकी दक्षता बढ़ती है। कार्य तेजी से और बेहतर तरीके से होता है, जिसके कारण कुल उत्पादन में वृद्धि होती है।
9. जाति प्रथा में पेशा कैसे निर्धारित होता है?
उत्तर: जाति प्रथा में पेशा जन्म के आधार पर तय होता है। व्यक्ति को वही कार्य करना पड़ता है जो उसकी जाति से जुड़ा होता है, जिससे स्वतंत्रता सीमित हो जाती है।
10. श्रम विभाजन क्यों आवश्यक है?
उत्तर: श्रम विभाजन आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है क्योंकि इससे कार्यकुशलता बढ़ती है, उत्पादन अधिक होता है और उद्योगों का विकास संभव होता है।

10 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. श्रम विभाजन क्या है और इसके लाभ बताइए।
उत्तर: श्रम विभाजन वह प्रक्रिया है जिसमें कार्य को छोटे-छोटे भागों में बाँटकर अलग-अलग व्यक्तियों को दिया जाता है। इससे कार्यकुशलता बढ़ती है, समय की बचत होती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। यह आधुनिक औद्योगिक समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इससे विशेषज्ञता विकसित होती है और आर्थिक विकास को गति मिलती है।
2. जाति प्रथा क्या है और इसके दोष बताइए।
उत्तर: जाति प्रथा एक जन्म आधारित सामाजिक व्यवस्था है जिसमें व्यक्ति की सामाजिक स्थिति और पेशा पहले से निर्धारित होता है। इससे असमानता, भेदभाव और सामाजिक अन्याय बढ़ता है। यह व्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करती है और उसकी प्रतिभा के विकास को रोकती है जिससे समाज की प्रगति बाधित होती है।
3. श्रम विभाजन और जाति प्रथा में अंतर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: श्रम विभाजन योग्यता और क्षमता पर आधारित होता है, जिसमें व्यक्ति अपनी रुचि और दक्षता के अनुसार कार्य करता है। इसके विपरीत, जाति प्रथा जन्म पर आधारित होती है और व्यक्ति को निश्चित पेशे तक सीमित कर देती है। श्रम विभाजन विकास को बढ़ावा देता है जबकि जाति प्रथा असमानता उत्पन्न करती है।
4. जाति प्रथा समाज के विकास में बाधा क्यों है?
उत्तर: जाति प्रथा समाज को विभिन्न वर्गों में बाँट देती है और समान अवसर प्रदान नहीं करती। इससे योग्य व्यक्तियों की प्रतिभा का सही उपयोग नहीं हो पाता है। यह सामाजिक एकता को कमजोर करती है और आर्थिक तथा सामाजिक विकास की गति को धीमा कर देती है।
5. श्रम विभाजन आधुनिक समाज में क्यों आवश्यक है?
उत्तर: आधुनिक समाज में कार्यों की जटिलता बढ़ गई है, इसलिए श्रम विभाजन आवश्यक है। यह कार्यकुशलता बढ़ाता है, उत्पादन को तेज करता है और विशेषज्ञता को बढ़ावा देता है। इससे उद्योगों का विकास होता है और आर्थिक प्रगति को बल मिलता है।
6. जाति प्रथा के सामाजिक प्रभाव बताइए।
उत्तर: जाति प्रथा समाज में असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देती है। यह लोगों के बीच दूरी पैदा करती है और सामाजिक एकता को कमजोर बनाती है। इससे समाज में सहयोग की भावना कम होती है और विकास की प्रक्रिया बाधित होती है।
7. श्रम विभाजन से आर्थिक विकास कैसे होता है?
उत्तर: श्रम विभाजन के कारण व्यक्ति किसी एक कार्य में विशेषज्ञ बन जाता है जिससे उत्पादन बढ़ता है। इससे लागत कम होती है और वस्तुओं की गुणवत्ता में सुधार होता है। उद्योगों का विस्तार होता है और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।
8. जाति प्रथा और लोकतंत्र में संबंध स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: जाति प्रथा लोकतंत्र के सिद्धांतों के विपरीत है क्योंकि यह समानता और स्वतंत्रता को सीमित करती है। लोकतंत्र सभी नागरिकों को समान अवसर देता है, जबकि जाति प्रथा जन्म के आधार पर भेदभाव करती है और सामाजिक न्याय को बाधित करती है।
9. श्रम विभाजन के नुकसान बताइए।
उत्तर: श्रम विभाजन का एक नुकसान यह है कि व्यक्ति केवल एक ही प्रकार का कार्य करता है जिससे उसकी रचनात्मकता कम हो जाती है। कार्य में एकरूपता आ जाती है और व्यक्ति ऊब महसूस कर सकता है, जिससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।
10. जाति प्रथा में सुधार कैसे संभव है?
उत्तर: जाति प्रथा में सुधार शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से संभव है। समान अवसर और

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देकर भेदभाव को कम किया जा सकता है। कानून और सामाजिक सुधार आंदोलनों के माध्यम से समाज में समानता स्थापित की जा सकती है।